PSY (H)
B.A-III
Paper-VII

वैज्ञानिक विधि (Scientific Method)

विज्ञान साक्ष्य के आधार पर सत्य तथा असत्य के बीच अंतर करता है। मनोविज्ञान में शोध अध्ययनों का आरंभिक स्तर है विज्ञान एवं वैज्ञानिक विधि की विभिन्न मान्यताओं को समझना। वस्तुतः वैज्ञानिक विधि की चार प्रमुख विशेषताएँ है -

(i) अनुभववाद (Empiricism)
(ii) निर्धारणवाद (Determinism)
(iii) सूक्ष्मता एवं सरलता (Parsimony)
(iv) परीक्षणशीलता (verifiability)

(i) अनुभववाद (Empiricism) - कुछ महत्वपूर्ण व्यक्तित्व द्वारा दिये गये मंतव्य को सत्य मान लेना अनुभववाद है। अरस्तु एवं प्लेटो द्वारा विश्व और विश्व के प्रति उनका दृष्टिकोण सत्य मान लिया जाता था.

(ii) निर्धारणवाद (Determinism) - वैश्विक घटनायें प्राकृतिक होती हैं और उनके स्तरों की पहचान की जा सकती है। मनोविज्ञान के संदर्भ में विभिन्न व्यवहारों का अध्ययन करके हम उन कारकों की पहचान कर सकते हैं जिनके कारण से व्यवहार घटित होते हैं।
Ex- अवसाद ग्रस्त व्यक्ति के व्यवहारों का प्रेक्षण करके हम जान सकते हैं कि अवसाद के कारण क्या हैं?

(iii) सूक्ष्मता एवं सरलता - घटनाओं की सरल व्याख्या प्रायः सत्य होती है। जटिल व्याख्या तभी दी जानी चाहिये, जब शोध अध्ययनों के द्वारा सरल व्याख्या संभव ना हो.

(iv) परीक्षणशीलता (Verifiability) - वैज्ञानिक विधि सिर्फ उन्हीं घटनाओं / तथ्यों को मानता है कि जिनका प्रेक्षण किया जा सके। यदि किसी अध्ययन द्वारा प्राप्त निष्कर्षों में प्रतीक्षण शीलता ना हो तो वह वैज्ञानिक नहीं माना जा सकता। हो सकता है कि परीक्षण के दौरान प्राप्त निष्कर्ष सही पाये जायें या हो सकता है कि गलत पाये जायें।

मनोवैज्ञानिक अनुसंधान की विशेषताएँ (Characteristics of Psychological Research)

(i) मनोवैज्ञानिक अनुसंधान सदैव या तो किसी अनुभूत समस्या का समाधान करता है अथवा समाधान करने की ओर प्रवृत होता है।

(ii) अनुसंधान में दो या दो से अधिक चरों के बीच विद्यमान संबंध को ज्ञात करने का प्रयास किया जाता है।

(iii) अनुसंधान का उद्देश्य होता है विश्वसनीय सूचना या नवीन ज्ञान की प्राप्ति अथवा उपलब्ध वर्तमान ज्ञान में बढ़ोतरी करना अथवा उसकी पुष्टि करना।

(iv) अनुसंधान के द्वारा किसी नवीन सामान्यीकृत तथ्य अथवा सिद्धांत अथवा अनुप्रयोग का विकास करने का प्रयास किया जाता है।

(v) सामान्यतः यह विशिष्ट वस्तु, घटना या समूह के प्रत्यक्ष अध्ययन से अधिक विस्तृत होता है तथा भावी घटनाक्रम के पूर्वकथन में सहायक होता है।

(vi) अनुसंधान के परिणाम अवलोकित अनुभवों अथवा आनुभविक प्रमाणों पर आधारित होते हैं।

(vii) अनुसंधान कार्य में परिभाजित मापन के द्वारा प्रदत्त प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।

(vii) अनुसंधान कार्य में प्राथमिक स्रोतों से नवीन प्रदत्तों का संकलन तथा विश्लेषण किया जाता है।

(viii) अनुसंधान सदैव वस्तुनिष्ठ तथा तर्कसंगत होता है।

(ix) अनुसंधान औपचारिक क्रिया होती है।

(x) अनुसंधान धैर्य से युक्त प्रक्रिया है जिसमें कई बार अनुसंधानकर्ता में कल्पनाशीलता की भी आवश्यकता होती है।